By:- Sunita Kumari
Dept. of History
J.N.C. Madhubani

बहमनी राज्य के पतन के कारण

(The causes of the downfall of Bahmani Kingdom.)

8. हुमायुँ (1457-1461) अलाउद्दीन खिलजी मृत्यु के बाद उसका पुत्र हुमायूँ गद्दी पर बैठा। वह एक क्रूर तथा अत्याचारी शासक था और लोग उसे 'जालिम हुमायूँ' के नाम के पुकारते थे। 1461 ई० में उसकी मृत्यु हो गई।

9. मुहम्मदशाह तृतीय:(1463-1483):- निजामशाह की मृत्यु के बाद उसका छोटा भाई मुहम्मदशाह तृतीय गद्दी पर बैठा। वह एक कामुक शासक था। वह शराब और व्यभिचार का शौकीन था। उसका अधिकांश समय सुरा तथा सुन्दरी के सेवन में ही व्यतीत होता था। उसके समय में शासन कार्यों का संचालन और उसके वजीर महमूद गवाँ के द्वारा किया जाता था।

महमूद गवाँ एक वीर योद्धा, कुशल प्रशासक तथा चतुर राजनीतिज्ञ था। उसने अनेक आन्तरिक तथा वाह्य संकट से बहमनी राज्य की रक्षा की और अनेक जटिल समस्याओं का समाधान किया। उसने शासन-व्यवस्था में भी अनेक सुधार किये। उसने कोंकण पर आक्रमण करके उसके अनेक दुर्गों पर अधिकार कर लिया। उसने विजयनगर पर भी आक्रमण किया और गोआ पर अधिकार कर लिया। उसे विजयनगर की लूट में अतुल सम्पत्ति प्राप्त हुई। उसने उड़ीसा पर भी आक्रमण किया और वहाँ से भी लूट में विपुल धन प्राप्त किया। महमूद गवाँ साहित्य एवं कला का भी संरक्षक था उसने बीदर में एक विद्यालय तथा पुस्तकालय की स्थापना की। डा० ईश्वरी प्रसाद का कथन है कि "जीवन की सरलता, साहस, कठिनाई के समय दृढ़ता, उदारता, स्वभाव की महानता, न्याय एवं दानशीलता के प्रति प्रेम और एक ऐसे युग में जब निकृष्टतम बुराईयाँ व्याप्त थी उसकी

Date 30.07.2020
Page 2

नैतिकता की उच्च धारणा आदि सब ऐसे गुण हैं जिनके प्रमाण में मुस्लिम इतिहासकार एकमत हैं।"

महमूद गवाँ का अंत अच्छा नहीं हुआ। वह ईर्ष्यालु अमीरों के षड्यंत्र का शिकार हो गया। दक्षिण अमीरों के भड़काने पर सुल्तान महमूदशाह ने उसका वध करवा दिया। महमूद गवाँ के मृत्यु के साथ ही बहमनी राज्य का विघटन शुरू हो गया। 1482 ई० में सुल्तान महमूदशाह तृतीय की भी मृत्यु हो गयी। डा० ईश्वरी प्रसाद का कथन है कि "इस प्रकार के महान एवं उपयोगी व्यक्ति की निर्मम हत्या एक ऐसी आपत्ति थी जिसने बहमनी राज्य के विनाश की गति तीव्र कर दी। वस्तुतः महमूद गवाँ की मृत्यु से महान बहमनी राज्य की एकता तथा शान्ति का अंत हो गया।

10. बहमनी राज्य का पतन:- मुहम्मदशाह तृतीय के मृत्यु के पश्चात् महमूद शाह गद्दी पर बैठा। वह एक अयोग्य, दुर्बल तथा विलासप्रिय शासक था। उसकी अयोग्यता तथा दुर्बलता के कारण बहमनी राज्य में अशांति एवं अराजकता फैल गई। शासन-व्यवस्था छिन्न-भिन्न हो गई तथा प्रांतीय सूबेदारों ने अपनी स्वतंत्रता की घोषणा कर दी। अमीर सरदार राज्य की हितों की उपेक्षा करते हुए अपने स्वार्थों की पूर्ति करने लगे। 1518 ई० में महमूद शाह की मृत्यु हो गयी और उसके बाद तीन सुल्तान और हुए। अंतिम सुल्तान कलीमुल्ला था जिसकी 1527 ई० में मृत्यु हो गयी और उसके साथ ही बहमनी राज्य का अंत हो गया। बहमनी राज्य पाँच राज्यों में विभाजित हो गया। ये पाँच राज्य थे:- (1) बीजापुर (2) गोलकुण्डा (3) अहमदनगर (4) बरार तथा (5) बीदर।

The End